हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 26 मई 2026

11 पेयजल व्यवस्था की पंचायतें संभालेंगी...

12 हाईटेंशन लाइनों की नई मुआवजा पॉलिसी के...

छह अप्रैल 2026 को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने किया था रेडियोलॉजी विभाग का उद्घाटन

मेडिकल कॉलेज : बिना रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक के कैसे चले एमआरआई मशीन, लटका ताला

- मशीन लगने के बाद भी मरीजों को नहीं मिल पा रही एमआरआई जांच की सुविधा
- कम स्टाफ में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का प्रशासन कर रहा दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज की शाखा शहीद राव तुलाराम अस्पताल में पिछले माह रेडियोलॉजी विभाग का स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने उद्घाटन किया था। आस जगी थी कि अब मरीजों को प्राइवेट अस्पताल में मोटी रकम देकर टेस्ट नहीं करवाने पड़ेंगे। यह प्रयास स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के भाषणों में भी दिखा जब उन्होंने कहा कि 'बहुत वक्त से विरोधियों का यहीं कहना है कि कोरियावास कॉलेज में आरती राव कुछ नहीं कर रही और मैं बोलू जितना मैंने एक साल में किया है, शायद ही उन्होंने पूरे जिंदगी में किया हो।' अब जब उस भाषण के 50 दिन बाद धरातल पर देखा गया तो पाया एमआरआई मशीन जिस कमरे में लगाई गई है। उस पर ताला लगा है। बातचीत की तो पता चला इस एमआरआई मशीन को चलाने के लिए रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक ही नहीं है। इसी वजह से जिस कमरे में एमआरआई मशीन रखी गई है, उसको ताला लगा दिया गया है।

आपको बताते चले कि छह अप्रैल 2026 को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के दौरान दावा किया गया था कि क्षेत्र के लोगों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और अब मरीजों को एमआरआई जांच के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लेकिन उद्घाटन के कुछ समय बाद ही स्थिति उलट नजर आने लगी। अस्पताल में एमआरआई मशीन तो स्थापित कर दी गई, मगर उसे संचालित करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञ रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हो सकी। ऐसे में मशीन बंद पड़ी है और मरीज निजी अस्पतालों में महंगी जांच कराने को मजबूर हैं।

क्या कहते हैं एमएस

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज की शाखा शहीद राव तुलाराम अस्पताल के मेडिकल सुपरीडेंट डॉ. लोकविंद सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के प्रयास से रेडियोलॉजी विभाग कॉलेज में शुरू हो गया है। सीटी स्कैन मशीन का संचालक हो रहा है। जहां तक एमआरआई मशीन की बात है, उसको संचालित करने के लिए एक्सपर्ट रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक की जरूरत होती है। उसके लिए वह अपने स्तर और विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर पूरी तरह से प्रयासरत है। उम्मीद है कि जल्द रेडियोलॉजिस्ट पद भरा जाएगा।

नारनौल। एमआरआई मशीन वाले कमरे में लटका ताला। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्षमता से अधिक मेहनत कर रहा स्टाफ

यहां आने वाले मरीज व उनके साथ आए अभिभावकों से हरिभूमि ने बातचीत की। उनका कहना था कि मेडिकल कॉलेज बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद जगी थी, लेकिन जरूरी स्टाफ की कमी के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि सरकारी स्तर पर बड़े-बड़े उद्घाटन तो कर दिए जाते हैं, लेकिन सुविधाओं को धरातल पर सुचारु रूप से शुरू करने में लापरवाही बरती जा रही है। इस मेडिकल कॉलेज के इस अस्पताल में स्टाफ की अभी कमी है। जो स्टाफ है, वह अपनी कार्यक्षमता से अधिक काम करने का प्रयास जरूर कर रहा है।

बिना विशेषज्ञ चिकित्सक के मशीन का संचालन नियमों के अनुरूप संभव नहीं

जानकारों के अनुसार एमआरआई मशीन को संचालित करने के लिए प्रशिक्षित टेक्नीशियन के साथ रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक की आवश्यकता होती है, जो जांच रिपोर्ट का विश्लेषण करता है। बिना विशेषज्ञ चिकित्सक के मशीन का संचालन नियमों के अनुरूप संभव नहीं माना जाता। हालांकि मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि सीमित स्टाफ के बावजूद बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है और जल्द व्यवस्था सुधारने की उम्मीद है। अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब मेडिकल कॉलेज में आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सक ही उपलब्ध नहीं थे तो फिर करोड़ों की मशीन का उद्घाटन किस आधार पर किया गया। क्षेत्र के लोगों ने सरकार से जल्द रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति कर एमआरआई सुविधा शुरू करने की मांग की है, ताकि मरीजों को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

राव दान सिंह की अगुवाई में प्रदर्शन कल

महेंद्रगढ़। पूर्व सीपीएस राव दान सिंह के नेतृत्व में 27 मई 2026 को महेंद्रगढ़ में विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। बेरोजगारी, महंगाई, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेपर लीक और बढ़ते नशे के विरोध में सरकार के खिलाफ रोष जताया जाएगा। कार्यकर्ताओं और आमजन को 27 मई की सुबह 10 बजे यादव धर्मशाला महेंद्रगढ़ में एकत्रित होने का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन करते हुए उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

मूलचंद सोनी के निवास पर सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को सुंदरकांड पाठ का आयोजन पुस्तक गली नजदीक मानक चौक में मूलचंद सोनी के निवास स्थान पर किया जाएगा। मंडल सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

बिहाली गोशाला की आमसभा 31 को

मंडी अटेली। श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली की 31 मई को आमसभा का आयोजन किया जाएगा। गोशाला के प्रधान कैप्टन महाबीर सिंह व सचिव सत्यवीर ने बताया कि आम सभा की बैठक में गोशाला के सभी सदस्य इसके लिए आमंत्रित है। गोशाला का त्रिवार्षिक कार्यकाल 30 जून का पूरा हो रहा है।

पेट्रोल-डीजल फिर महंगा : जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं के दाम भी बढ़ने की संभावना

11 दिनों में 7.37 रुपये तक बढ़े दाम आम आदमी की जेब पर बढ़ा बोझ

महीने में चौथी बार बढ़ोतरी महंगाई बढ़ने के आसार पेट्रोल 102.91 पहुंचा

सोमवार को एक बार फिर तेल कंपनियों ने पेट्रोल पर 2.60 रुपये व डीजल पर 2.70 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। इसके बाद कई शहरों में पेट्रोल 102.91 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गए है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

देशभर में पेट्रोल व डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले 11 दिनों में पेट्रोल तथा डीजल के दामों में कुल 7.37 रुपये तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। सोमवार को एक बार फिर तेल कंपनियों ने पेट्रोल पर 2.60 रुपये व डीजल पर 2.70 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। इसके बाद कई शहरों में पेट्रोल 102.91 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गए है।

बता दें कि 14 मई को पेट्रोल की कीमत 95.54 रुपये व डीजल 88 रुपये प्रति लीटर थी, लेकिन मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव व ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध जैसे हालात के चलते पेट्रोल व डीजल में लगातार हो रही वृद्धि के कारण अब आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ने लगा है। खासकर मध्यम वर्ग और किसानों की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से परिवहन, खेती व रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं के दाम भी बढ़ने की संभावना है।

चार बार बढ़े दाम

ईंधन लगातार महंगा हो रहा है। तेल कंपनियों ने मई महीने में चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। कम्पनियों ने 15 मई को पेट्रोल व डीजल दोनों पर तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद 19 मई को दोनों ईंधनों के दाम 90-90 पैसे बढ़ाए गए। वहीं 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे महंगा हुआ। अब 25 मई को पेट्रोल 2.60 रुपये व डीजल 2.70 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया।

नारनौल। पम्प पर पेट्रोल डलवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

मध्यम वर्ग पर सबसे ज्यादा असर

लगातार बढ़ती महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। रसोई से लेकर यात्रा और बच्चों की पढ़ाई तक हर खर्च बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल के दामों पर नियंत्रण नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में महंगाई और तेजी से बढ़ सकती है।

मालभाड़ा बढ़ने से महंगे होंगे फल-सब्जियां

डीजल की कीमत बढ़ने का सबसे बड़ा असर परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। ट्रक, टेम्पो और अन्य मालवाहक वाहनों का खर्च बढ़ने से मालभाड़ा महंगा हो जाएगा। इसका सीधा असर दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियों, फलों व राशन सामग्री की कीमतों पर पड़ेगा। बाजार में रोजमर्रा की वस्तुएं और अधिक महंगी हो सकती हैं।

खेती की लागत में होगा इजाफा

किसानों को भी पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए अधिक खर्च करना होगा। खेती की लागत बढ़ने से अनाज तथा अन्य कृषि उत्पादों की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है। इससे किसानों व उपभोक्ताओं दोनों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा।

बस-ऑटो किराया बढ़ने की संभावना

पेट्रोल व डीजल महंगा होने से सार्वजनिक परिवहन भी प्रभावित होगा। बस, ऑटो तथा टैक्सी चालकों का खर्च बढ़ने के कारण किराये में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। स्कूल बसों के किराये भी बढ़ सकते हैं, जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है।

नौतपा में 44 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

बिजली कटौती ने बढ़ाई आमजन की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नौतपा में तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंच गया, दूसरी तरफ बिजली कटौती होने लगी है। ग्रामीण फीडरों पर पांच से सात घंटे बिजली गुल रहने लगी है, जिससे आमजन की दैनिक दिनचर्या प्रभावित होने के साथ गर्मी में बुरा हाल है। शिकायत मिलने पर निगम के कर्मचारी कटौती पर अंकुश लगाने में जुटे, लेकिन ओवरलोड के चलते अव्यवस्था बनी हुई।

आपको बता दें कि सरकार के निर्देशानुसार निगम ने घरेलू बिजली सप्लाई के लिए अलग से फीडर स्थापित किए हैं। जिन पर 24 घंटे बिजली सप्लाई देने का प्रावधान है, दूसरी तरफ बोरवेलों के फीडर पर निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सप्लाई मिलेगी, लेकिन भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मरों पर दोगुणा लोड बढ़ गया। इसके अलावा तापमान बढ़ने से उपकरण जलने, केबल शॉट होने की समस्या बढ़ गई है। हालांकि बीते महीने विभाग ने पावर हाउसों में उपकरणों की मेंटिनेंस अभियान चलाया था, सड़कों के किनारे पौधों की टहनियां काटी गई थी, लेकिन आपूर्ति का दबाव बढ़ने से विभागीय तैयारियां कमजोर साबित होने लगी है। लूजोता, शहबाजपुर, दोस्तपुर, भेडंटी, दौंखेरा, नांगल पीपा, कमानिया के ग्रामीणों ने बताया कि रात को नौ से 10 बजे बिजली कट लगता है। 11 बजे सप्लाई बहाल होगी तथा 12 बजे बाद दुबारा पावर कट हो जाती है। ऐसे में ग्रामीणों को रातभर जागना पड़ रहा है। बिजली कटौती से पेयजल सप्लाई सर्वाधिक प्रभावित हो रही है। परेशान ग्रामीणों को टैंकरों से पानी खरीदकर दैनिक दिनचर्या को सुचारू करना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में निगम के कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि तेज धूप में उपकरण गर्म होने से कट लगने की समस्या बढ़ी है। इसके अलावा विभिन्न लाइनों की रिपेयर के चलते पावर सप्लाई रोकनी पड़ती है। विभिन्न दिक्कतों के बावजूद निगम के कर्मचारी सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने में जुटे हुए हैं।

डीसी ने ई-रिक्शा में सफर कर दिया ईंधन बचाने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण व ईंधन की बचत के संदेश को और अधिक प्रभावशाली तरीके से जन जन तक पहुंचाने के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली सोमवार को लघु सचिवालय से बाहर आकर सरकारी गाड़ियों का काफिला छोड़ने का संदेश देते हुए अधिकारियों के साथ ई-रिक्शा में सवार होकर शहर के दौरे पर रवाना हुई। नेशन फर्स्ट की भावना के साथ डीसी ने ई रिक्शा के माध्यम से सफर कर आम जनता और प्रशासनिक अमले को ईंधन बचाने का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले बस स्टैंड का निरीक्षण किया।

- अधिकारियों को साथ लेकर बस स्टैंड व पंचायत भवन का किया औचक निरीक्षण

डीसी बस स्टैंड के दौरे के दौरान सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों से भी बातचीत की तथा उनकी समस्याएं सुनीं। उपायुक्त ने पंचायत भवन में पहुंचकर कार्यालय का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने ई रिक्शा चालकों से नागरिकों व कर्मचारियों की सुविधा के लिए बस स्टैंड से 15 अतिरिक्त रिक्शा लगाने की अपील की। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, सचिव आरटीए मनोज कुमार, जीएम रोडवेज देवदत्त, डीडीपीओ प्रमोद कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। ई-रिक्शा में सवार होकर निरीक्षण के लिए जाती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम बस स्टैंड से ई-रिक्शा से पहुंचे दफ्तर

नांगल चौधरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से की गई पेट्रोल व डीजल की बचत और ईंधन संरक्षण की अपील आम जनता तक पहुंचाने के लिए एसडीएम उदय सिंह अपनी आधिकारिक सरकारी गाड़ी को छोड़कर आम जनता की तरह नांगल चौधरी बस स्टैंड से ई-रिक्शा से अपने कार्यालय पहुंचे। इसके बाद एसडीएम ने ई रिक्शा से नांगल चौधरी में चल रहे नगर पालिका कार्य के निर्माण व अन्य स्थानों का निरीक्षण किया।

नांगल चौधरी। ई-रिक्शा में सवार होकर निरीक्षण के लिए जाते एसडीएम उदय सिंह। फोटो : हरिभूमि

आबकारी अधिनियम के तहत 3 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी व बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर छापेमारी करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत चार मामले दर्ज किए हैं, जिनमें तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। थाना शहर पुलिस ने कार को रोककर चेकिंग की। जिसकी डिग्गी की तलाशी लेने पर उसमें से तीन पेटी अवैध देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से कार चालक योगेश कुमार निवासी नारनौल को काबू कर लिया। वहीं शहर के ही पुरानी सराय क्षेत्र में एक अन्य गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रेड की। पुलिस को देखकर आरोपित राहुल अपनी गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से तीन पेटी अवैध बीयर बरामद हुईं।

यातायात पुलिस ने 7 दिन में किए 2303 चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पुलिस अधीक्षक दीपक के सख्त दिशानिर्देशों के अनुसार पुलिस की ओर से आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने व यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने विभिन्न चौक व चौराहों तथा मुख्य मार्गों पर नाकेबंदी कर विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों, ओवरस्पीड, गलत दिशा में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि 18 मई से 24 मई तक चले इस एक सप्ताह के विशेष अभियान के दौरान जिलेभर में नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 2303 वाहनों के चालान काटे गए हैं। इनमें बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के 110 चालान, निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज रफ्तार में वाहन चलाकर दूसरों की जान जोखिम में डालने वाले 128 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

नारनौल। चालान करती यातायात पुलिस। फोटो : हरिभूमि

सांसद की पैरवी पर विभाग ने भेजा ऐस्टिमेट, 6 गांवों के लोगों को होगा सीधा लाभ

6.21 करोड़ रुपये की लागत से पक्के होंगे 3 कच्चे रास्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ एवं सतनाली क्षेत्र के तीन कच्चे रास्तों को पक्का किया जाएगा। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह की पैरवी पर लोक निर्माण विभाग ने तीन कच्चे रास्तों को पक्का करने का ऐस्टिमेट भेजा है। ये सभी रास्ते 6 करम के हैं। हरियाणा सरकार की पॉलिसी है कि 6 करम के सभी कच्चे रास्ते लोक निर्माण विभाग द्वारा पक्के किए जाएंगे। इन गांवों की पंचायतों एवं आमजन ने सांसद धर्मबीर सिंह से इन कच्चे रास्तों को पक्का करवाने की मांग की थी।

महेंद्रगढ़। गांव का कच्चा रास्ता। फोटो : हरिभूमि

ये बनेंगे मार्ग

रास्ता	अनुमानित लागत	लम्बाई
गांव डेरोली जाट से गांव अटाली	3.3 करोड़	3.7 किलोमीटर
गांव बास से राजस्थान बार्डर (बालोदा)	1.31 करोड़	1.5 किलोमीटर
गांव ढाणा से राजस्थान बार्डर (बालोदा)	1.41 करोड़	1.5 किलोमीटर

सांसद ने कच्चे रास्तों को पक्का करने का किया था निवेदन

सांसद धर्मबीर सिंह ने हरियाणा सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री को पत्र लिखकर इन सभी कच्चे रास्तों को पक्का करने का निवेदन किया था। इन रास्तों में गांव डेरोली जाट से अटाली का लगभग 3.7 किलीमीटर का रास्ता, गांव ढाणा से राजस्थान बार्डर तक बालोदा का 1.5 किलोमीटर का रास्ता तथा गांव बास से राजस्थान बार्डर तक बालोदा का 1.5 किलोमीटर का कच्चा रास्ता पक्का किया जाएगा। संदीप मालड़ा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार का ध्येय है कि गांवों में भी शहरों की तर्ज पर सड़क नेटवर्क को मजबूत किया जाए, जिससे किसान के साथ-साथ आमजन को भी आवाजाही में सुविधा हो सके। इससे किसान की अपनी फसल लाने ले जाने में भी आसानी होगी। विशेष रूप से राजस्थान सीमा से लगते ऐसे रास्ते जो राजस्थान की सीमा में पक्के बना दिए गए हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पक्का किया जाए।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
26 मई 2026
सहेली

विशेषः अंतरराष्ट्रीय अभिभावक दिवस, 1 जून

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का निस्वार्थ-अनमोल प्रेम

माता-पिता अपने बच्चों की खुशी और सफलता के लिए अपनी सारी इच्छाएं त्याग देते हैं। बच्चों की खुशी में ही उन्हें खुशी मिलती है। उनका यह निस्वार्थ प्रेम बहुत अनमोल होता है। इसे अभिभावक दुनिया की सबसे बड़ी नियामत मानते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

रात के करीब ग्यारह बजे हैं। घर के लगभग सभी सदस्य सो चुके हैं, सिवाय दो लोगों के। मां टेंथ में पढ़ने वाली बेटी की यूनिफॉर्म प्रेस कर रही थी, लेकिन उसका ध्यान बार-बार दरवाजे की ओर चला जा रहा था। भीतर ही भीतर उसका मन भी घबरा रहा था, क्योंकि बेटा, जो इस वर्ष ही कॉलेज पहुंचा है, अभी तक घर नहीं लौटा है। ड्राइंगरूम में बैठे पिता शायद चौथी बार मुख्य दरवाजे तक जाकर लौटे हैं। रात बढ़ती जा रही है। फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। वह कभी घड़ी देखते, कभी मोबाइल स्क्रीन और फिर चुपचाप दरवाजे की ओर नजर उठा देते।

बच्चों को अपनी जिम्मेदारी का बोध नहीं

यह दृश्य किसी एक घर का नहीं है। यह उन असंख्य भारतीय परिवारों का परिचित दृश्य है, जहां माता-पिता की रातें बच्चों की चिंता में ही बीतती हैं। लेकिन बच्चों की दुनिया में इन बातों का अर्थ अकसर बिल्कुल अलग होता है। उनके लिए रात तक जागकर उनका प्रोजेक्ट तैयार करना, यूनिफॉर्म प्रेस करना या सुबह जल्दी उठकर पसंद का टिफिन बनाना, घर की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। कहीं-न-कहीं उन्हें यह सब अपना अधिकार या उससे भी अधिक, माता-पिता की जिम्मेदारी लगता है। लेकिन ठीक इसके विपरीत उन्हें किसी भी तरह की रोक-टोक, पूछताछ या अनुशासन सहज स्वीकार नहीं होता। वे कितनी देर में घर लौटेंगे, किस दोस्त के पास जा रहे हैं, इतनी देर तक फोन पर क्यों बात कर रहे हैं या पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे जैसे सवाल उन्हें अनावश्यक हस्तक्षेप और बंदिश जैसा लगने लगता है। बच्चे यह तो चाहते हैं कि उनकी हर जरूरत बिना कहे पूरी हो जाए, लेकिन उनसे समय, अनुशासन या जवाबदेही की अपेक्षा की जाए तो उन्हें दिक्कत लगने लगती है। शायद यही कारण है कि हर पीढ़ी अपने माता-पिता के प्रेम को सबसे पहले सुविधा की तरह देखती है, त्याग की तरह नहीं। क्योंकि जो चीज हमें हर दिन बिना मांगे मिलती रहती है, उसका मूल्य अकसर बहुत देर से समझ में आता है।

सबसे पहले छूटती है माता-पिता की नींद

सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह मानते हैं, एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद आवश्यक है। लेकिन माता-पिता बनने के बाद शायद यह सिद्धांत सबसे पहले टूटता है। बच्चे छोटे होते हैं तो मां उनकी हल्की-सी करवट से भी जाग जाती है। बच्चे बड़े हो जाते हैं तो चिंता का स्वरूप बदल जाता है, लेकिन चिंता समाप्त नहीं होती। तब माता-पिता की नींद कभी उनके एग्जाम की चिंता में टूटती है, कभी देर रात तक घर न लौटने की बेचैनी में और कभी उनके भविष्य को लेकर उठते अनगिनत सवालों में। शायद इस संसार में माता-पिता और संतान का रिश्ता ही एक ऐसा अनूठा रिश्ता है, जहां स्वयं की कोई अलग खुशी नहीं रह जाती। बच्चा मुस्कुराता है तो माता-पिता मुस्कुराते हैं, बच्चा परेशान होता है तो भीतर ही भीतर वे भी परेशान हो उठते हैं। बच्चे की छोटी-सी उपलब्धि उन्हें गर्व से भर देती है और उसका छोटा-सा तनाव भी उनकी रातों की नींद छीन लेता है।

माता-पिता छोड़ देते हैं अपनी इच्छाएं

'मैं आज जो कुछ भी हूं, अपने माता-पिता की वजह से हूं। मेरी मां सुबह बहुत जल्दी उठ जाती थीं, क्योंकि मुझे प्रैक्टिस के लिए जाना होता था। वह मेरे लिए खाना बनाती थीं। वह मुश्किल से केवल तीन घंटे सोती थीं। मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। हमारा घर बहुत मुश्किल से चलता था, लेकिन मेरे पिता हमेशा कहते थे, 'तू लगा रह।' आज जो भी परिणाम दिखाई दे रहा है, जो भी सफलता मुझे मिली है, वह मेरे माता-पिता की वजह से है।' ये शब्द हैं उस वैभव सूर्यवंशी के, जिसने बेहद कम उम्र में क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम दर्ज करा लिया। लेकिन किसी भी सफल बच्चे की कहानी केवल उसकी प्रतिभा की कहानी नहीं होती। उसके पीछे अकसर माता-पिता के अनगिनत त्याग छिपे होते हैं। जब लोग किसी बच्चे की सफलता पर तालियां बजाते हैं, तब बहुत कम लोग उन रातों के बारे में सोचते हैं, जब माता-पिता अपनी इच्छाओं, अपने आराम और कई बार अपने पूरे जीवन की दिशा तक बदल देते हैं ताकि बच्चे का सपना अधूरा न रह जाए। माता-पिता बनने के बाद धीरे-धीरे उनकी अपनी जरूरतें पीछे छूटने लगती हैं। खुद के अच्छे कपड़े, खुद की इच्छाएं, खुद का आराम सब कुछ बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों और खुशियों के आगे गौण हो जाता है। बच्चों की हर छोटी इच्छा उन्हें याद रहती है, लेकिन अपनी अनेक इच्छाएं वे चुपचाप टालते रहते हैं। शायद यही कारण है कि बच्चों की छोटी-सी मुस्कुराहट भी उन्हें अपनी बड़ी-से-बड़ी खुशी से अधिक महत्त्वपूर्ण लगने लगती है।

सबसे निःस्वार्थ होता है माता-पिता का प्रेम

माता-पिता बनने के बाद व्यक्ति का जीवन केवल व्यस्त नहीं होता, वह पूरी तरह बदलने लगता है। धीरे-धीरे उनका समय केवल उनका नहीं रह जाता। उनकी योजनाएं, उनकी छुट्टियां, उनका खाली समय सब कुछ बच्चों की जरूरतों और समय के अनुसार ढलने लगता है। वे दोस्तों के साथ बनी योजनाएं रद्द कर देते हैं, क्योंकि बच्चे की परीक्षा है। वे अपनी पसंद की फिल्म छोड़ देते हैं, क्योंकि बच्चे को कहीं और जाना है। धीरे-धीरे उनका पूरा जीवन इस तरह बदल जाता है कि बच्चों को कमी कम-से-कम महसूस हो। और शायद यही कारण है कि बहुत से बच्चों को वर्षों बाद समझ में आता है कि उनका सहज और सुरक्षित बचपन, वास्तव में माता-पिता के अनगिनत मौन त्याग पर खड़ा था। माता-पिता का प्रेम संसार का सबसे निःस्वार्थ प्रेम माना जाता है। उसमें त्याग दिखाई कम देता है, लेकिन छिपा बहुत कुछ होता है अधूरी नींद, टली हुई इच्छाएं, लगातार चलती चिंताएं और फिर भी चेहरे पर वही सामान्य मुस्कान।

छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ाहट-मानसिक थकान
कहीं आपको डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम तो नहीं

दिन भर में हमें छोटे-छोटे बहुत से डिसीजन लेने होते हैं, कुछ लोग इस तरह के डिसीजन लेने में एक थकान महसूस करते हैं, उन्हें चिड़चिड़ाहट होती है। इसे मेडिकल टर्म में डिसीजन फटीग कहते हैं। इसके क्या लक्षण होते हैं, इससे कैसे बचा जाए, जानिए।

मेंटल हेल्थ

विधि

आज की बिजी लाइफस्टाइल में हम सभी को अपने करियर, घर-परिवार से जुड़ी अनेक बातों के बारे में दिन भर में अनेक डिसीजन लेने पड़ते हैं, जैसे-कब क्या पहनना है, कहां जाना है, कैसे जाना है, किसके साथ मीटिंग है, किस काम को पहले करना है, किसको बाद में, लंच में क्या खाना? इन ढेर सारे छोटे-छोटे डिसीजन लेने के कारण दिमाग काफी ज्यादा थक जाता है, मानसिक ऊर्जा खत्म सी हो जाती है। इसके बाद एक छोटा-सा फैसला लेना भी पहाड़ जैसा लगने लगता है। परिणाम स्वरूप व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है, अपने डिसीजन टालने लगता है या जल्दबाजी में गलत फैसले ले लेता है। इसी मानसिक थकान को मेडिकल की भाषा में डिसीजन फटीग कहा जाता है। यह कोई बड़ी मानसिक बीमारी नहीं है, बल्कि इस समस्या में व्यक्ति रोजमर्रा के नॉर्मल डिसीजन लेने में काफी मुश्किल महसूस करता है। सरल शब्दों में कहें तो डिसीजन फटीग का सीधा मतलब है, फैसले लेने की वजह से होने वाली मानसिक थकान।

डिसीजन फटीग के लक्षणः डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम होने पर व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण देखे जा सकते हैं, जिन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

- दिन भर में लगातार फैसले लेने के बाद दिमाग में भारीपन या थकान महसूस होती है। इस स्थिति में व्यक्ति को सोचने में ज्यादा समय लगता है, उसके लिए नॉर्मल काम करने में भी मुश्किल होती है।
- कोई भी निर्णय लेने में ज्यादा वक्त लगता है।
- रोजमर्रा के किसी भी तरह के सामान्य काम करने में भी कठिनाई होने लगती है।
- जब फैसला लेने की ताकत कम हो जाती है तो व्यक्ति फैसले टालने लगता है, जिसके कारण हर काम को वह बाद में देखेंगे, अभी मन नहीं कर रहा जैसे बहाने करके टालने लगता है।
- दिमाग में स्ट्रेस होने के कारण कई बार जल्दबाजी में फैसले लेते हैं, जैसे डाइट पर होते हुए भी जंक फूड खाना, बिना सोचे-समझे शॉपिंग करना या किसी काम के लिए हां या न करना।
- किसी भी तरह के फैसले लेते समय खुद का बचाव करना या पीछे हटना।
- अपनी जिम्मेदारियों को हमेशा दूसरों पर डाल देना।
- काबिल होते हुए भी हर समय खुद पर कम विश्वास करना, अपने फैसलों पर शक होना, खुद को दोष देना या हर फैसले के बाद सही डिसीजन लिया या नहीं, इस बारे में सोचना भी डिसीजन फटीग का संकेत हो सकता है।
- डिसीजन फटीग की प्रॉब्लम के कारण व्यक्ति को सिर में दर्द, फोकस करने में मुश्किल होना, नींद में कमी और रोजमर्रा के कामकाज में समस्या होने जैसे कई तरह के लक्षण नजर आ सकते हैं।

डिसीजन फटीग से बचने के उपायः फिजिशियन **डॉ. सतीश विरमानी** के अनुसार, डिसीजन फटीग से बचने के लिए आप इन बातों का ध्यान रखें-

- सुबह के समय दिमाग फ्रेश होता है, दिमागी ऊर्जा सबसे ज्यादा होती है, इसलिए जरूरी फैसले सुबह ही लेने की कोशिश करें।
- रोजमर्रा के कामों (जैसे कपड़े या खाना) में ज्यादा ऑप्शंस न रखें। ऑप्शंस कम होंगे, तो कंफ्यूजन भी कम होगा।
- हर काम का एक तय समय और रुटीन बनाएं। इससे बार-बार छोटे-छोटे फैसले नहीं लेने पड़ेंगे और दिमाग को रेस्ट मिलेगा, वो रिलैक्स्ड रहेगा।
- लगातार काम करने से बचें, इससे मानसिक थकान होती है। इसलिए हर 60 से 90 मिनट बाद ब्रेक लें।
- अच्छी नींद और हेल्दी डाइट भी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने और फैसलों को आसान बनाने में मदद कर सकते हैं।

बच्चे और आप

ललिता गोयल

समर वैकेशन में बच्चों को स्कूल से हॉलिडे होमवर्क मिलता ही है। इसे पूरा कराने की जिम्मेदारी पैरेंट्स की होती है। बच्चे कैसे समर वैकेशन को एंज्वॉय करते हुए अपना हॉलिडे होमवर्क समय से पूरा कर लें, इसके लिए आप हॉलिडे होमवर्क का स्मार्ट शेड्यूल बना लें। यह कैसे बनाएं, जानिए।

बच्चों के लिए करें स्मार्ट हॉलिडे होमवर्क प्लानिंग

इन दिनों ज्यादातर स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां हो गई हैं। बच्चे खुश हैं लेकिन पैरेंट्स को बच्चों के हॉलिडे होमवर्क की चिंता है, क्योंकि जितना मर्जी कोशिश कर लें, छुट्टियों के आखिरी दिन तक बच्चों का हॉलिडे होमवर्क खत्म नहीं होता। शुरू में तो लगता है बहुत टाइम है, हो जाएगा। लेकिन बाद में रिजल्ट होता है, बच्चों का अधूरा हॉलिडे होमवर्क। यह कहानी हर साल की होती है। चलिए, इस बार इस कहानी को बदलते हैं। हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बता रहे हैं, जिनसे बच्चों का होमवर्क आसानी से हो जाएगा और बच्चों ही नहीं आपकी भी समर वैकेशन मजे से बीतेगी।

हॉलिडे होमवर्क का स्मार्ट शेड्यूल बनाएंः जब आप एक प्लानिंग से बच्चों का होमवर्क कराएंगी तो वह समय से जरूर पूरा हो जाएगा। एक स्मार्ट शेड्यूल बच्चों को रोजाना थोड़ा-थोड़ा होमवर्क करने के लिए इंस्पायर करता है। हॉलिडे होमवर्क समय पर हो, इसके लिए शेड्यूल बनाएं। सारा होमवर्क देखने के बाद कब, क्या कितनी समय सीमा में करना है, उसका शेड्यूल बनाएं। बच्चों को शेड्यूल बनाने की प्रक्रिया में शामिल करें, उनसे पूछें कि वे किस समय पढ़ना पसंद करेंगे और किस समय खेलना चाहेंगे? उनकी राय से शेड्यूल बनाने से वे शेड्यूल मानेंगे। साथ ही शेड्यूल ऐसा बनाएं कि होमवर्क तो होता रहे और बच्चों की मस्ती और खेल-कूद भी चलता रहे। पहले एक सब्जेक्ट का होमवर्क खत्म कराएं और फिर दूसरा शुरू करें। इससे आपको ध्यान भी रहेगा कि कितना होमवर्क हो गया, कितना बचा है?

आप भी दें उसका साथ

होमवर्क के बीच में बच्चे की पसंद के अनुसार उसे घुमाने ले जाएं या खेलने भी दें। जिससे उन्हें यह फील न हो कि हॉलिडे होमवर्क का मतलब सिर्फ पढ़ाई करना है। इससे होमवर्क उसे बोझ नहीं लगेगा और वह होमवर्क एंज्वॉय करेगा। अगर बच्चा खुद होमवर्क कर रहा है, तब भी उसके साथ बैठें, ताकि उसे अकेलापन महसूस न हो और वह बोर न हो। पढ़ाई के साथ खेलने के लिए बच्चों को पूरा समय दें। कुछ पैरेंट्स बच्चों को होमवर्क खत्म करने का प्रेशर बनाकर उन्हें घंटों बैठाए रखते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें, बल्कि जब बच्चा होमवर्क करे, तो खुद भी उसके साथ बैठें और उसकी मदद करें।

प्रेशर न बनाएंः होमवर्क करने के लिए बच्चे पर कभी प्रेशर न बनाएं। बीच में गैप ले-लेकर होमवर्क कराएं। बीच-बीच में बच्चे के साथ खेलें, कुछ रोचक एक्टिविटीज करें ताकि होमवर्क से बच्चा बोर न हो, एक्टिव बना रहे।

टाइमिंग का रखें ध्यानः बच्चों को होमवर्क कराते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह बच्चा है, जल्दी और ज्यादा होमवर्क कराने के चक्कर में उसे बोर न करें, क्योंकि अगर वह शुरू में बोर हो जाएगा, तो होमवर्क उसे बोझ लगने लगेगा। अपने बच्चे की क्षमता के हिसाब से प्लानिंग करें।

बच्चों का होमवर्क खुद न करेंः कुछ पैरेंट्स होमवर्क खत्म करने के चक्कर में बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें, क्योंकि अगर एक बार आप उनका होमवर्क कर देंगे या तो वह खुद से होमवर्क कभी-भी नहीं करना चाहेगा। इसलिए जरूरी है कि उन्हें होमवर्क कराने के दौरान चीजों को और रोचक बनाते हुए उन्हें सीखने और खुद से होमवर्क करने के लिए प्रेरित करें।

(शिक्षिका योगिता जिंदल से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

तेज धूप से स्किन टैनिंग आजमाएं ये घरेलू उपाय

गर्मी के मौसम में स्किन पर तेज धूप का असर दिखने लगता है। दरअसल, कैप, दुपट्टा या छाता से कवर करने के बाद भी दिन में घर से बाहर निकलने पर थोड़ी-बहुत टैनिंग हो ही जाती है। दरअसल, सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों के संपर्क में आने से हमारी स्किन डल पड़ने लगती है। स्किन के कॉम्प्लेक्शन में अंतर आने लगता है। ऐसे में धूप के असर से बचने के लिए आप कुछ होममेड फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपकी स्किन को टैनिंग से बचाए रखेंगे।

पपीता फेस पैकः यदि आपका चेहरा धूप में अधिक समय तक रहने से डल पड़ गया है तो पपीते का फेस पैक काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आप पका हुआ पपीता और नीबू लें। पपीते का छिलका उतारकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मैश कर लें और इसमें नीबू के रस की कुछ बूंदें मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर प्राकृतिक तरीके से सूखने के बाद ताजे पानी से चेहरा धो डालें। इसे आप रोजाना नियमित रूप से लगा सकती हैं।

शहद-पपीते का फेस पैकः सन टैन हटाने के लिए शहद और पपीते का फेस पैक भी काफी सहायक होता है। आप थोड़ा-सा पपीता मैश करके इसमें कुछ बूंदें शहद की मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर सूखने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह पैक सन टैन को हटाने के साथ ही त्वचा को पोषण भी देता है, जिससे आपकी स्किन सॉफ्ट बन जाती है।

नीबू का फेस पैकः नीबू का फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच नीबू का रस, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध को कटोरी में मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को चेहरे पर आधे घंटे लगा रहने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह त्वचा की रंगत निखारने का प्राकृतिक तरीका है। दूध में मौजूद नेचुरल फैट और मिनरल्स, स्किन को टोन करते हैं और मैग्नीशियम, कैल्शियम आदि स्किन को पोषण प्रदान करते हैं।

एलोवेरा जैल-हल्दीः तीन चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच हल्दी और दो चम्मच शहद को एक कटोरी में मिलाकर पेस्ट बना लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद पानी से धो डालें। इसे आप हफ्ते में एक दिन लगा सकती हैं। एलोवेरा जैल की कुछ बूंदें रोजाना चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखरती है और स्किन टैन की समस्या से निजात मिलती है।

आप वर्किंग वूमेन हों या होम मेकर, जरूरत पड़ने पर दिन के समय भी घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। ऐसे में हीट स्ट्रोक से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट को लेकर कॉन्शस रहें।

डाइट रखें सही नहीं होगा हीट स्ट्रोक

डाइट सजेशन

डॉ. अंशु चौहान, डाइटीशियन

इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। दिन के समय तो तापमान बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में अगर घर से बाहर निकलना पड़े तो लू लगने यानी हीट स्ट्रोक का रिस्क होता है। इससे आपको गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लू से बचने के लिए अन्य सावधानियों के साथ अपनी डाइट का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है।

इनका करें सेवनः इन तपिश भरे दिनों में सबसे अधिक ध्यान हाइड्रेशन पर होना चाहिए। हमारे शरीर का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा पानी का होता है, लेकिन तेज गर्मी की वजह से पसीने के जरिए हम न केवल शरीर में मौजूद पानी बल्कि जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम और पोटेशियम भी खोते रहते हैं। इसकी भरपाई के लिए खीरा, तरबूज और लौकी जैसी सब्जियों और फलों का सेवन फायदेमंद है। इनमें 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है। तरबूज में मौजूद लाइकोपिन, त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है। वहीं खीरा शरीर को ठंडक देता है और इसमें मौजूद फाइबर कब्ज जैसी समस्याओं को भी दूर रखता है। जो अकसर गर्मी में पानी की कमी से हो जाती है। इन दिनों प्याज का सेवन भी लू से बचाने में कारगर माना जाता है, क्योंकि इसमें क्वेरसेटिन नामक तत्व होता है, जो गर्मी के प्रभाव को कम करने में मददगार साबित होता है। नियमित छोटे-छोटे मील्स, शरीर को कार्बोहाइड्रेट प्रदान करते हैं, जो गर्मी में ऊर्जा के मुख्य स्रोत होते हैं। घर का बना ताजा खाना और मौसमी फलों का सेवन आपको गर्मी में भी ऊर्जावान और सुरक्षित रखेगा।

उपयोगी पेय पदार्थः इन दिनों पेय पदार्थों में छाछ और नीबू पानी पीना सबसे फायदेमंद है। छाछ एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक है, जो हमारे पाचनतंत्र को दुरुस्त रखने में सहायक होता है। जबकि नीबू पानी विटामिन-सी और इलेक्ट्रोलाइट्स का भंडार है। इसके अलावा आम का पन्ना, लू से बचने का पुराना, कारगर घरेलू तरीका है। कच्चे आम में मौजूद एसिड और पैक्टिन नामक पदार्थ, शरीर को झुलसाने वाली गर्मी से लड़ने की शक्ति देते हैं। इनके अलावा सत्तू का शरबत, प्रोटीन का एक बेहतरीन और सस्ता माध्यम है, जो शरीर को अंदर से ठंडा रखता है और लंबे समय तक ऊर्जा देता है। नारियल का पानी प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स (पोटेशियम, सोडियम, मैग्नीशियम) से भरपूर और डिहाइड्रेशन रिकवरी में सहायक होता है। इस बात को भी याद रखें कि गर्मी के दिनों में प्यास लगने का इंतजार ना करें, बल्कि हर एक घंटे में थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।

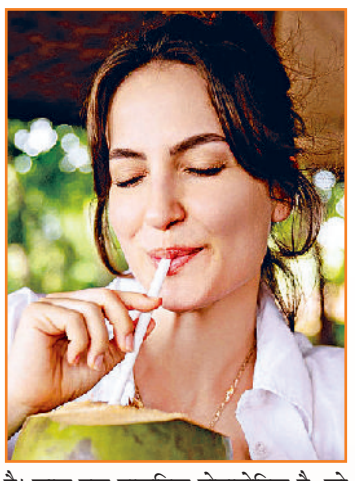

क्या न खाएंः इन दिनों तला-भुना और मसालेदार खाना पचाने में शरीर को बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे आंतरिक गर्मी बढ़ती है। समोसे, पकौड़े या भारी ग्रेवी वाली सब्जियां, एसिडिटी और पेट में जलन पैदा करती हैं। इसी तरह कैफीन (चाय और कॉफी) का सेवन कम करना चाहिए। ये पदार्थ डाइयूरेटिक होते हैं, जिसका मतलब है कि ये शरीर से पानी को बाहर निकालते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा चीनी वाले ठंडे पेय पदार्थ या सोडा पीना भी सही नहीं होता है। साथ ही इस मौसम में रेड मीट, शराब और भारी प्रोटीन वाले फूड्स से परहेज करना चाहिए। बासी खाना भी नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा रहता है।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

खबर संक्षेप

गंगा एकादशी पर पिता की याद में लगाई छबील

महेंद्रगढ़। गंगा एकादशी (गंगा दशहरा) के पावन पर्व पर नगर के परशुराम चौक स्थित नेताजी हाउस पर एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। यहां 10 वर्षीय छात्र अंकित सैनी ने अपने स्वर्गीय पिता मनोज सैनी की पुण्यस्मृति में राहगीरों और आमजन के लिए ठंडे व मीठे शरबत की छबील लगाई, जिसमें परिवारजनों ने भी सहयोग किया। भीषण गर्मी के इस मौसम में चौक से गुजरने वाले सैकड़ों लोगों ने शरबत पीकर अपनी प्यास बुझाई और इस मासूम बच्चे के प्रयास की सराहना की।

विशेषज्ञों ने बताया कि ज्येष्ठ महीने में आने वाली गंगा एकादशी या गंगा दशहरा का हिंदू धर्म में बहुत बड़ा महत्व है। इस दिन का विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक मूल्य माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन भगवान विष्णु की आराधना और पुण्य कर्मों के लिए सबसे उत्तम दिनों में से एक है। इसी पावन अवसर को ध्यान में रखते हुए उसने अपने पिता की याद में इस सेवा कार्य को करने का निर्णय लिया।

मुख्य सचिव ने वीसी के जरिए डीसी के साथ की समीक्षा बैठक

पेयजल व्यवस्था की पंचायतें संभालेंगी कमान जल्द एमओयू साइन करेगा जनस्वास्थ्य विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश की ग्राम पंचायतें अब ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं सीवरेज व्यवस्था के संचालन और रखरखाव के कार्यों को स्वयं संचालित करने में सक्षम होंगी। इसी संबंध में सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के सभी उपायुक्त के साथ समीक्षा बैठक ली। इस बैठक के बाद डीसी ने बताया कि सरकार ने पंचायतों को पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन, संचालन तथा विभिन्न प्रशासनिक निर्णय लेने के अधिकार प्रदान किए गए हैं। पंचायतें आवश्यकता अनुसार पेयजल दरों में संशोधन कर नई दरें लागू कर सकेंगी तथा अवैध कनेक्शनों को काटने की कार्रवाई भी कर सकेंगी।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण जल प्रणाली के संचालन एवं रखरखाव हेतु सरकारी सामुदायिक भागीदारी आधारित संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 को जल्द धरातल पर लागू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, डीडीपीओ प्रमोद कुमार, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार, जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा, बीडीपीओ रेनू लता, बीआरसी इंद्रजीत सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। उपायुक्त ने बताया कि योजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा। प्रथम चरण में सिंगल पंचायत मेंटेनेंस योजना वाली लगभग चार हजार ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है, जबकि दूसरे चरण में एक से अधिक गांवों वाली पंचायतों में इस योजना को लागू किया जाएगा। नई ऑपरेशनल पॉलिसी के तहत प्रत्येक 500 घरों पर एक महिला को पेयजल कनेक्शन, पानी के नमूने लेने, बिल भरवाने तथा अन्य संबंधित कार्यों के लिए तैनात किया जाएगा। 500 से अधिक घर होने पर दो महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद डीसी अनुपमा अंजली।

योजना संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने डीडीपीओ को निर्देश दिए कि सिंगल विलेज पंचायतों में शामिल 40 ग्राम पंचायतों की शीघ्र ग्राम सभाएं आयोजित कर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के साथ एमओयू साइन करवाने की प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने सभी बीडीपीओ को निर्देशित किया कि ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों के बैंक खाते संबंधित इंडियन बैंक शाखाओं में खुलवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने एचएसआरएलएम विभाग को भी निर्देश दिए कि सभी ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय किया जाए, ताकि चयनित महिलाओं को इस योजना के तहत बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके। साथ ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग को आपसी समन्वय के साथ सभी सरपंचों, ग्राम सचिवों व कनिष्ठ अभियंताओं को योजना संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

निगरानी के लिए 5 सदस्यीय समिति का गठन

उन्होंने बताया कि पंचायतें पेयजल एवं सीवरेज कार्यों की निगरानी के लिए पांच सदस्यीय ग्राम जल एवं सीवरेज समिति का गठन करेंगी। इसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ठ अभियंता जेई, ग्राम सचिव, पंप संचालक ऑपरेटर, ग्राम पंचायत के जागरूक नागरिकों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम जल एवं सीवरेज समितियां नई पाइपलाइन बिछाने, मरम्मत कार्य, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी तथा संचालन जैसे कार्यों को संचालित करेंगी। इसके अलावा अवैध एवं दूषित पानी के कनेक्शन काटने, अनियमित कनेक्शनों को नियमित कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना एवं एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई भी कर सकेंगी। उपायुक्त ने बताया कि नई नीति के तहत महिलाओं को कार्यों के लिए निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए पंचायतों द्वारा महिलाओं के बैंक खाते खुलवाए जाएंगे। साथ ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और पंचायतों के बीच पांच वर्षों के लिए एमओयू साइन करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

नारनौल। लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 108 नागरिकों ने पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें दर्ज कराईं। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान शिविर सहित अन्य सभी प्लेटफार्म पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का एक निश्चित समयावधि में निपटान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी समस्या का समाधान जिला स्तर पर संभव नहीं है, तो संबंधित विभाग अपने मुख्यालय से तालमेल स्थापित कर उसका शीघ्र समाधान करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी हिदायत दी कि यदि किसी कारणवश समस्या का समाधान संभव नहीं हो पा रहा है, तो शिकायतकर्ता को उसकी स्पष्ट जानकारी देकर संतुष्ट करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निर्मल नागर, नगराधीश डॉ. मंगल सेन, डीएसपी भारत भूषण आदि मौजूद रहे।

सेहलंग लिंगानुपात सुधार को लेकर हुई बैठक

कनीना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहलग के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र सेहंलग में लिंगानुपात सुधार व बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर नवनीत एमपीएचडब्ल्यू, मंशा एएनएम, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर जग्गो देवी उपस्थित रही। बैठक में गर्भवती महिलाओं व ग्रामीणों को घटते लिंगानुपात के दुष्प्रभाव, कन्या भ्रूण हत्या रोकने व बेटियों को समान अधिकार तथा शिक्षा देने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

बसपा नेता ने किया ग्रामीणों से संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बहुजन समाज पार्टी ने मुंडियाखेड़ा, बेवल, दौंगड़ा जाट, झिंगावन गावों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए। बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और राज्य सरकार से समस्याओं का समाधान करवाने का भरोसा दिया। दौंगड़ा जाट के ग्रामीणों ने कहा कि इन दिनों गांव के लोगों को भीषण पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के चलते लोगों को पीने के पानी के लिए भारी समस्याएं उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने मुंडियाखेड़ा से दौंगड़ा अहीर तक पुराने छह क्रम के रास्ते को पक्का करवाने की मांग भी की। बेवल, मुंडियाखेड़ा, दौंगड़ा जाट तथा झिंगावन के ग्रामीणों ने दौंगड़ा अहीर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर तथा दवाइयों की कमी की शिकायत करते हुए स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर तथा दवाइयों की कमी पूरी करने, महिला चिकित्सक तथा विशेषज्ञ चिकित्सक नियुक्त करने, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई तथा अन्य जांच की सुविधाएं देने की मांग की। अतरलाल ने समस्याएं सुनने के बाद सरकार तथा प्रशासन से समस्याओं का त्वरित समाधान करवाने का भरोसा दिया।

इस मौके पर कप्तान चंदगीराम, सतीश पंच, भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ, मेहरचंद, बंशीलाल, प्रवीन यादव, सतीश डीलर, दयाराम, हीरासिंह, सतपाल, कर्णसिंह, अजीत, शुभराम, छाजूराम, पूर्णसिंह, भागमल, भागीरथ, धर्मसिंह, अजय कुमार ढिल्लो आदि मौजूद थे।

नारनौल। गांवों में जनसंवाद करते बसपा नेता अतरलाल। *फोटो : हरिभूमि*

बेटी के जन्मदिन पर किया पौधरोपण

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा द्वारा बाबा मुकंददास गोशाला में सवामनी का आयोजन किया गया। वहीं नांगल चौधरी के गांव दोस्तपुर में बेटी दक्षिता के प्रथम जन्मदिन के अवसर पर गोशाला में सवामनी करवाई गई तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पिता दिनेश कुमार ने बताया कि संस्था के साथ मिलकर सामाजिक और सेवा कार्य करने से मन को शांति मिलती है तथा समाज के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है। वहीं ढाणी बाठोठा संस्था के सदस्य संदीप कुमार उर्फ अन्नी ने भी गोशाला में सवामनी का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्य योगेश सैनी ने बताया कि युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट विभिन्न सामाजिक प्लेटफॉर्म पर निरंतर कार्य कर रही है। ढाणी बाठोठा में संस्था के रेगुलर ब्लड डोनर जयवीर यादव व उनके साथियों ने मिलकर बाबा खान वाले बालाजी के नाम पर राहगीरों के लिए छबील लगाई।

नारनौल। जन्मदिन पर पौधरोपण करते हुए।

पंचायत भवन में हुआ बीएलओ और सुपरवाइजरों की विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी एसडीएम उदय सिंह की अध्यक्षता में पंचायत भवन में 71 नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ व सुपरवाइजरों के लिए विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। एसडीएम उदय सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को एसआईआर के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

मास्टर ट्रेनर साकेत यादव ने बीएलओ व सुपरवाइजरों को आगामी चुनावी गतिविधियों और उनके टाइमलाइन की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर घर जाकर संबंधित मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे और इसी अवधि के दौरान बीएलओ का घर घर दौरा सुनिश्चित किया जाएगा।

14 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का रेशनलाइजेशन किया जाएगा। 21 जुलाई को मतदाता सूचियां का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से 20 अगस्त तक इस अवधि के दौरान मतदाता सूची को लेकर दावे तथा आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। साथ ही 21 जुलाई से 18 सितंबर तक प्राप्त हुई सभी आपत्तियों और दावों का निपटारा किया जाएगा। निर्वाचन तहसीलदार सुरेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि मतदाताओं की सहायता के लिए निर्वाचन कार्यालय में टोल फ्री नंबर 1950 शुरू कर दिया गया है।

नारनौल। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद बीएलओ व सुपरवाइजर। *फोटो : हरिभूमि*

भीषण गर्मी में युवाओं ने लगाई छबील

***नारनौल।** गांव नसीबपुर के हाउसिंग बोर्ड गेट नंबर एक के पास भीषण गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से युवाओं ने छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा मीठा जल पिलाया। तेज गर्मी और लू के बीच इस सेवा कार्य से राहगीरों को काफी राहत मिली। दोपहर के समय सड़क पर गुजरने वाले राहगीर गर्म हवाओं और चिलचिलाती धूप से परेशान नजर आए, ऐसे में छबील पर ठंडा मीठा जल पीकर लोगों ने राहत महसूस की। छबील के दौरान युवाओं ने पूरे उत्साह और सेवा भावना के साथ आने जाने वाले राहगीरों को शीतल जल वितरित किया। इस मौके पर पूर्व पार्षद कालू टांडू, संदीप कुमार, जितेंद्र यादव, आनंद खोला, राम सिहार, अर्जुन सैनी, दिलेर सिंह, कम्मू सरदार, अभय सिंह, राजेश कुमार, जयसिंह कूकू, जितेंद्र, राजू बिहारी, राजकिशोर, नरेंद्र ठाकुर, मोनू इंदौरा आदि मौजूद थे।*

बाघोत में बालिकाओं ने निकाली लिंगानुपात जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गांव बाघोत विद्यालय की बालिकाओं ने लिंगानुपात जागरूकता रैली का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा घटते लिंगानुपात के प्रति लोगों को जागरूक करना था। रैली में छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बेटी है अनमोल, बेटी नहीं बचाओंगे, तो बहू कहां से लाओंगे जैसे जागरूकता नारों के माध्यम से ग्रामीणों को संदेश दिया। रैली विद्यालय परिसर से शुरू होकर गांव की विभिन्न गलियों से निकाली गई।

इस अवसर पर धमेन्द्र यादव एमपीएचडब्ल्यू, सरिता एएनएम, पूजा एएनएम, रवि पंचारिया सीएचओ, विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र, पीटीआई राकेश, मोनिका ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षित व आत्मनिर्भर बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सुशीला, सुमित्रा, बाला, सबीना, सरिता व मीना ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

कनीना। गांव बागोत में जागरूकता रैली निकालते छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

आर्थिक मंदी के दौर में अनावश्यक खर्चों से बचें

नारनौल। संपूर्ण विश्व में आर्थिक मंदी का माहौल है। हमारा देश भारत भी इस समय आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में हमें संयम, समझदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। प्रमुख सामाजिक संस्था युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सचिव टिंकू प्रधान ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमें अनावश्यक खर्चों से बचना चाहिए और देशहित में छोटे छोटे कदम उठाने चाहिए। जहां संभव हो टैक्सी शेयर करनी चाहिए तथा अधिक से अधिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकता होने पर ही यात्रा करें, ताकि ईंधन की बचत हो सके और आर्थिक बोझ कम हो। अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ भविष्य की पीढ़ियों को भी लाभ मिलेगा।

कृष्णनगर कॉलेज में नशा मुक्त भारत कार्यक्रम

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में प्रोफेसर डॉ. नरेश कुमार की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रोफेसर डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे की सामाजिक, मानसिक व शारीरिक बुराइयों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ व नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा कि अगर जीवन में नशा ही करना है, तो कामयाबी व अच्छे संस्कारों का नशा करो। यह वो नशे हैं जो आपको बर्बाद नहीं, बल्कि आबाद करेंगे। प्रोफेसर सुभाष जोली ने विद्यार्थियों को नशे के जाल में फंसने की प्रक्रिया को गहराई से समझाते हुए कहा कि शुरूआत में अक्सर लोग शौक या दिखावे में नशा करते हैं, लेकिन धीरे धीरे यह एक भयंकर मुसीबत बन जाता है। प्रोफेसर डॉ. नवीन यादव ने विद्यार्थियों के साथ अपने विचार साझा किए। इस मौके पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। इसमें बीएससी तृतीय वर्ष की खुशी प्रथम, बीए तृतीय वर्ष की मानसी द्वितीय व बीए तृतीय वर्ष का नितिन तृतीय स्थान पर रहा।

स्वर्गीय चौधरी रामचंद्र एडवोकेट के परिवार ने पुण्य का कार्य किया

बार एसोसिएशन में हुआ आरओ युक्त वाटर कूलर का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला बार एसोसिएशन में स्वर्गीय चौधरी रामचंद्र अधिवक्ता की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र अधिवक्ता अश्वनी चौधरी व विपिन चौधरी द्वारा ज्यूडिशियल कोर्ट के मुख्य द्वार के बाहर आरओ युक्त वाटर कूलर लगाया गया, जिसका लोकार्पण कार्यवाहक जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षाली चौधरी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन प्रधान संतोख सिंह यादव ने की। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों में जतिन गुजराल सिविल जज सीनियर डिवीजन, विक्रमजीत सिंह सीजेएम, नीलम कुमारी सीजेएम डीएलएसए, मुकेश कुमार ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, वंदना ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, आदित्य यादव ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, राकेश कुमार ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, निशा ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट व गौरव ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय चौधरी रामचंद्र की पत्नी गीता चौधरी ने कार्यवाहक जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री हर्षाली चौधरी का गुलदस्ता भेंट कर परिवार एवं बार एसोसिएशन की ओर से स्वागत किया। इस अवसर पर हर्षाली चौधरी ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी रामचंद्र एडवोकेट के परिवार ने पुण्य का कार्य किया है और समाजहित में ऐसे कार्य प्रेरणादायक हैं। प्रधान संतोख सिंह यादव के आग्रह पर स्वर्गीय चौधरी रामचंद्र एडवोकेट के परिवार ने नए बार रूम में एक और आरओ वाटर कूलर लगाने की घोषणा की।

नारनौल। वाटर कूलर का उद्घाटन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं में ओमप्रकाश यादव मांढी, करण सिंह यादव नीरपुर, राकेश मेहता, संजय यादव बसौरपुर, पवन शर्मा, राजपाल लम्बा, रणवीर सिंह चौधरी, ललित तंवर, रणवीर यादव, कुलदीप सिंह भरगढ़, प्रदीप शर्मा, चंद्रदेव जॉइंट सेक्रेटरी, सुगन सिंह खजांची, प्रमोद सैनी आदि उपस्थित रहे।

चौथे दिन की भागवत कथा में हुआ श्रीकृष्ण जन्म व नंदोत्सव का वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के रेलवे रोड स्थित मास्टर कॉलोनी के किशोरी कुंज में श्रीमती कौशल्या देवी शिव मंदिर ट्रस्ट एवं कॉलोनी के सभी भक्तों की ओर से श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव चल रहा है, जिसमें वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास अक्षय कृष्ण ठाकुर महाराज द्वारा रविवार को चौथे दिन की भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं नंदोत्सव का वर्णन किया गया। मास्टर अमरसिंह सोनी के निर्देशन में भगवान श्रीकृष्ण और वासुदेव की मनमोहक झांकी भी पेश की गई जो आकर्षण का केंद्र रही।

इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान कथा प्रबंधक मामन चौधरी एवं श्रीमती आशा गर्ग सपरिवार थे, जबकि अन्य यजमान राजेन्द्र राठी, प्रेम राठी, रतन राठी, महेंद्र राठी, संजय राठी, अनिल राठी ने भी सपरिवार पहुंच कर पूजा अर्चना तथा आरती करवाई और अपनी ओर से प्रसाद बंटवाया। गुरुजी ने बताया कि कंस की कारागार में देवकी वासुदेव के आठवें पुत्र के रूप में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म होता है।

वासुदेव रात में ही यमुना पार करके उसे गोकुल में नंदबाबा के घर छोड़ आते हैं। उधर कृष्ण जन्म के उपलक्ष में नंदबाबा के यहां भारी उत्सव मनाया जाता है। संपूर्ण गोकुलवासी आनंद में मगन हो जाते हैं और इसी प्रसंग में नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की आदि बधाई गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सरिता राठी, सुरेश चौधरी, पुरुषोत्तम चौधरी, श्रीकृष्ण सोनी, सुभाष झूकिया, मुकेश झूकिया, रमेश पंडित, नानकचंद, प्रेम चौधरी, सुभाष बसईवाला आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। झांकी निकालते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

यादव सभा ने मनाई वीर योद्धा आल्हा-ऊदल की जयंती

महेंद्रगढ़। यादव सभा के सभागार में यादव समाज के प्रसिद्ध वीर योद्धा आल्हा-ऊदल की जयंती सोमवार को बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता यादव सभा कन्वीनर डॉ. राजबीर सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ आल्हा-ऊदल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आल्हा-ऊदल की वीरता, साहस और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला तथा युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। सभा में भजन एवं वीर रस के गीत प्रस्तुत किए गए, जिनमें आल्हा-ऊदल की बहादुरी के किस्सों का वर्णन किया गया।

सूचना

मैं, लालचंद पुत्र मिचूं राम पुत्र सोहनलाल निवासी ककराला, तहसील कनीना, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विनय मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मानसून की दस्तक से पहले डीसी अनुपमा अंजली ने ली अधिकारियों की बैठक

बारिश में जलभराव रोकने के लिए धरातल पर उतरकर काम करेंगे अधिकारी, उपायुक्त करेंगी फील्ड निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आगामी मानसूनी सीजन के दौरान जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने और जलभराव की समस्या को रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

जिले की करीब 215 किमी लंबी 60 नहरों की हो रही सफाई

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने इसी संबंध में सोमवार को लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार आगामी 15 जून से पहले जिले के सभी शहरों की सीवरेज लाइनों, नालियों और नहरों की सफाई का कार्य हर हाल में समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हो जाना चाहिए। डीसी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के इन निर्देशों की पालना में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जल निकासी के प्रबंधों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि जिले की करीब 215 किलोमीटर लंबी 60 नहरों की सफाई का काम निरंतर जारी है, ताकि बारिश के समय पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। शहरी क्षेत्रों के सेक्टरों और कॉलोनियों की सभी सीवरेज लाइनों को तुरंत साफ करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों को आदेश दिए कि वे अभी से शहरों के उन संवेदनशील बिंदुओं की पहचान करें, जहां भारी बारिश के दौरान पानी जमा होने की संभावना रहती है, ताकि वहां समय रहते पुख्ता इंतजाम किए जा सकें। उन्होंने बताया कि जल निकासी के लिए सिंचाई विभाग के पास वर्तमान में नौ डीजल पंप और 10 इलेक्ट्रॉनिक पंप पूरी तरह से तैयार स्थिति में हैं। इसी प्रकार जन स्वास्थ्य विभाग व शहरी स्थानीय विभाग भी अपने पंप सैट को तैयार रखें।

सिंचाई विभाग के पास नौ डीजल पंप और 10 इलेक्ट्रॉनिक पंप पूरी तरह से तैयार स्थिति में

15 जून से पहले सभी सीवरेज लाइनें, नाले और नहरें साफ करने के निर्देश

नारनौल। बाढ़ राहत को लेकर अधिकारियों की बैठक लेतीं डीसी अनुपमा अंजली।

जरूरी दिशा निर्देश जारी

उपायुक्त ने विद्युत निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसूनी सीजन में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और आपातकालीन स्थिति में जरूरत पड़ने पर तुरंत अस्थाई बिजली कनेक्शन भी मुहैया कराए जाएं। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी सूरत में पानी इकट्ठा न होने देने की हिदायत दी। मानसूनी सीजन में पनपने वाले मलेरिया और डेंगू जैसे रोगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा गया है। जिले में इन बीमारियों से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाइयां और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। डीसी ने सभी अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ धरातल पर काम करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को इस मानसून में किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, एसडीएम कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, नगराधीश डॉ. मंगलसेन, डीएसपी भारत भूषण, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला मुख्यालय पर सैकड़ों किसानों ने जताया रोष, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हाइटेंशन लाइनों की नई मुआवजा पॉलिसी के विरोध में किसानों ने किया प्रदर्शन

किसानों ने कहा जमीन का नहीं मिल रहा वास्तविक बाजार मूल्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बिजली की हाइटेंशन लाइनों से प्रभावित किसानों ने सोमवार को हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर 29 अप्रैल 2026 से लागू नई मुआवजा पॉलिसी के संशोधन का विरोध किया। महेंद्रगढ़ जिला मुख्यालय पर भी किसान नेता सतेंद्र लोहचब के आह्वान पर एकत्रित हुए और जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा को ज्ञापन भेजकर नई व्यवस्था को तुरंत रद्द करने की मांग उठाई।

किसानों का कहना है कि नई संशोधित पॉलिसी के कारण उन्हें उनकी जमीन का वास्तविक बाजार मूल्य नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि रोहतक, भिवानी, हिसार और सोनीपत सहित कई जिलों में मार्केट रेट कमेटियों द्वारा जमीनों की कीमत वास्तविक बाजार भाव से काफी कम तय की जा रही है।

लॉटरी से तय होगा रेट

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि 29 अप्रैल 2026 के संशोधन में मार्केट रेट तय करने के लिए लॉटरी सिस्टम लागू किया गया है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं।

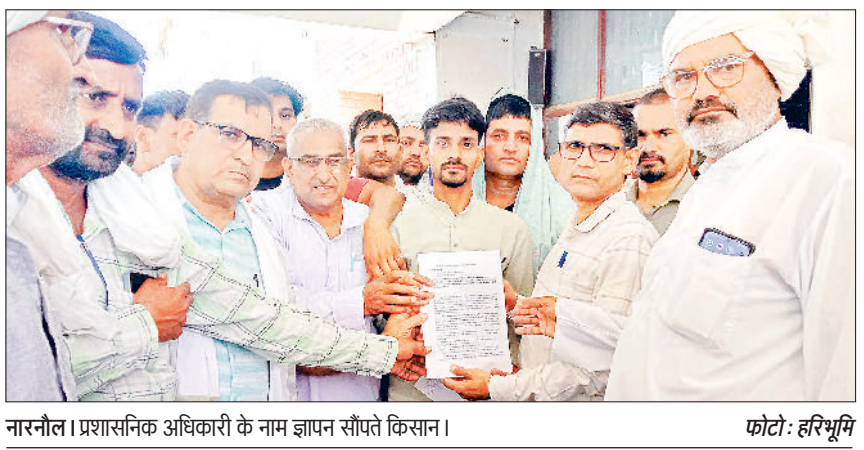

नारनौल। प्रशासनिक अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपते किसान। फोटो : हरिभूमि

किसानों के अनुसार यह व्यवस्था गैर-कानूनी और किसान विरोधी है। इसके अलावा सबसे कम वैल्यूएशन रिपोर्ट में केवल 10 प्रतिशत बढ़ाकर मुआवजा तय करने का प्रावधान भी किसानों के हितों के खिलाफ बताया गया।

किसानों ने कहा कि इससे पावर ग्रिड मैनेजमेंट और बिजली विभाग की मनमानी बढ़ेगी और किसानों को उनकी जमीन की सही कीमत नहीं मिल पाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जिलों में पहले ही किसानों को आधे से भी कम मूल्य पर मुआवजा देने की कोशिश की जा रही है। जिसकों लेकर किसानों में भारी रोष व्याप्त है।

आंदोलन के बाद बनी थी पॉलिसी

भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के नेताओं ने बताया कि हाइटेंशन लाइनों से प्रभावित किसानों ने पिछले करीब दो वर्षों से आंदोलन चलाया हुआ था। इसके बाद केंद्र सरकार ने 21 मार्च 2025 को मुआवजा पॉलिसी लागू की थी, जिसे हरियाणा सरकार ने 2 जून 2025 को प्रदेश में लागू किया। किसानों का कहना है कि पुरानी पॉलिसी के तहत कई जिलों में किसानों को उनकी जमीन का बेहतर और वास्तविक मुआवजा मिलना शुरू हुआ था। लेकिन अब 10 महीने बाद किए गए नए संशोधन से किसानों के अधिकार कमजोर हो गए हैं। किसान नेता हवासिंह कोरियावास ने कहा कि सरकार व प्रशासन मिलकर किसानों के साथ धोखा कर रहे हैं, क्योंकि जमीन की कीमतों में भी ड्रा सिस्टम लागू किया जा रही है। जमीन की कीमत ड्रा से नहीं, मार्केट वेल्यू के हिसाब से तय होनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो आज तो ज्ञापन दिया जा रहा है, जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी खड़ा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान किसानों के पक्ष को कमजोर कर रहे हैं और प्रशासन को अधिक ताकत दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द संशोधन वापस नहीं लिया तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा और हरियाणा में चल रहे हाईटेंशन लाइन परियोजनाओं के कार्य को रोकने की रणनीति बनाई जाएगी।

मंत्री के आवास पर धरना देने के बाद रवाना हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं का जत्था सोमवार को जिला प्रधान पवन कुमार बाल्मीकि के नेतृत्व में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से मंत्री कृष्ण बेदी के नरवाना स्थित आवास पर आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए रवाना हुआ। अलग अलग ब्लॉकों से पहुंचे जत्थों का नेतृत्व एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, ब्लॉक प्रधान जगदीश प्रसाद सतनाली व दीपक कुमार ने किया। धरना प्रदर्शन के लिए रवाना होने से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला प्रधान पवन कुमार व मास्टर सुबेसिंह ने कहा कि सरकार से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के लिए नियमितीकरण नीति बनाकर उन्हें स्थायी कर्मचारी घोषित करने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यूनियन की मुख्य मांगों में न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू करना, 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी की नियुक्ति करना, दुर्घटना मृत्यु पर 50 लाख रुपये व सामान्य मृत्यु पर 20 लाख रुपये मुआवजा देना शामिल है। नेताओं ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाते हुए सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त 10 लाख रुपये, पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। साथ ही ईएसआई व पीएफ सुविधाओं को सुचारू रूप से लागू किया जाए तथा सभी कर्मचारियों के पहचान पत्र जारी किए जाएं।

प्रदर्शन में ये शामिल रहे

प्रदर्शन के दौरान मनोज कुमार गुढ़ा, समाजसेवी रामनिवास पाटोदा, कुलभूषण यादव, मास्टर हवासिंह कोरियावास, ओमप्रकाश मकसपुर, मुकेश यादव, जगदेव सिंह, केहर सिंह प्रधान, दाताराम, संदीप गुढ़ा, धर्मपाल सरपंच गुढ़ा, हवासिंह खेड़ा सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

बाघोत में पानी की समस्या के समाधान पर खुशी जताई

कनीना। गांव बागोत में पाइप लाइन डालने पर लड्डू बांटकर खुशी जताते ग्रामीण।

■ स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

गांव बाघोत के जलघर में पेयजल आपूर्ति की समस्या को लेकर ग्रामीणों की ओर से किए गए प्रदर्शन के बाद अब समाधान की दिशा में तेजी से कार्य शुरू हो गया है। हरियाणा सरकार की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से नहर से जलघर तक नई पाइप लाइन बिछाने का काम तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया गया है। नई पाइप लाइन का कार्य शुरू होने से गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी के दौरान पानी की समस्या से राहत दिलाने के लिए मंत्री आरती सिंह राव ने गंभीरता से पहल की, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्य शीघ्र शुरू हुआ है, पूरे गांव की ओर से मंत्री का आभार व्यक्त किया गया।

कार्य का निरीक्षण करने के लिए गांव के गणमान्य लोग मौके पर पहुंचे और पाइप लाइन बिछाने के कार्य को देखकर प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर सरपंच राजेन्द्र सिंह ने ग्रामीणों को लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की तथा भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से गांव को जल्द ही सुचारू पेयजल आपूर्ति मिल सकेगी। महावीर पहलवान प्रधान ने भी पूरे गांव की ओर से स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्री ने ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई करवाई है, जिससे हजारों लोगों को लाभ मिलेगा।

ये मौजूद रहे

इस मौके पर सरपंच राजेन्द्र सिंह, महावीर पहलवान, संतोष पहलवान, सूबेदार ओमप्रकाश, सतवीर पटवारी, ईश्वर कटारिया, राजकुमार मास्टर, राजेन्द्र प्रधान, राजकुमार धूड़िया, राजबीर पहलवान, सूबे ठेकेदार, नरेश कटारिया, संतोष पंच आदि मौजूद थे।

पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान घास और कूड़ा-कचरा हटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

पुलिस अधीक्षक दीपक के दिशा-निर्देशों में सोमवार को महेंद्रगढ़ स्थित पुलिस लाइन में जिला पुलिस के जवानों द्वारा स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पुलिस के जवानों ने पूरे उत्साह के साथ एकजुट होकर पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई का कार्य किया। जवानों ने श्रमदान करते हुए परिसर में मौजूद पेड़ों के सूखे पत्ते, उगी हुई झाड़ियां, बेकार घास और कूड़ा-कचरा हटाकर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया। इस स्वच्छता अभियान के अवसर पर एएसपी फैजल खान ने जवानों को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अधिकांश बीमारियां गंदगी के कारण ही फैलती हैं, इसलिए इनसे बचाव और स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए साफ-सफाई बेहद आवश्यक है। बीमारियों से दूर रहने के लिए स्वच्छता बनाए रखना हम सभी के सामूहिक जिम्मेदारी।

महेंद्रगढ़। पुलिस लाइन में श्रमदान करते जवान। फोटो : हरिभूमि

जैलाफ के जोहड़ों में नहरी पानी भरने की मांग, चिाई विभाग को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। गांव जैलाफ के सभी जोहड़ों को नहरी पानी से भरने तथा बड़े जोहड़ के लिए अलग से लाइन बिछाने की मांग को लेकर गांव के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने ग्रामीण प्रतिनिधियों के साथ सिंचाई विभाग को ज्ञापन सौंपा। छाजूराम रावत ने छितरमल नम्बरदार, मुकेश कुमार पंच, कुलदीप पंच, तिलोक चंद पंच, राजबाला पंच, सुमित्रा पंच व बनिता कुमारी पंच के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन उपमंडल अभियंता सब डिवीजन जेएलएन कैनाल परियोजना सिंचाई विभाग को सौंपा। ज्ञापन प्राप्त होने के बाद उपमंडल अभियंता ने आगामी नहर के पानी से गांव के जोहड़ों को भरने के लिए संबंधित जेई को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए।

नारनौल। गांव जैलाफ के सूखे जोहड़। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने ली भ्रूण हत्या के खिलाफ शपथ

नारनौल। समाज में बेटियों को समान अधिकार देने और गिरते लिंगानुपात को सुधारने के लिए गांव कोजिन्दा में सराहनीय और सकारात्मक पहल देखने को मिली। गांव की वार्ड पार्षद प्रेमलता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने एक सुर में भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा को समाज से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। सहायक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आज के दौर में बेटियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है। अंत में वार्ड पार्षद की उपस्थिति में गांव के सभी गणमान्य नागरिकों व महिलाओं को एक पवित्र शपथ दिलाई गई। इस मौके पर स्वास्थ्य टीम से सुरेन्द्र सिंह, मोनिका, मोनू, अनीता रानी, कृष्णा देवी, सोनिया, मन्जू वर्मा, प्रियंका, बीना देवी, मनीषा, कमलेश, अनामिका, मुस्कान आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

बिजली और पानी की समस्याओं का हो समाधान

महेंद्रगढ़। डीसी के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर आयोजित हुआ। समाधान शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके समाधान बारे निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली निगम और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग बिजली पानी की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें, ताकि आमजन को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार और जनता के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहा है। नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करें और शिकायतों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भेजे।

नई कार्यकारिणी गठित

नारनौल। ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन (पंजीकृत 681) संबद्ध हरियाणा कर्मचारी महासंघ की सिंचाई विभाग नारनौल की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नहर रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से सिंचाई विभाग शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय मुख्य संगठनकर्ता रविंद्र फौजी एवं प्रांतीय उपप्रधान सुभाष यादव ने की। बैठक में सह-चुनाव पर्यवेक्षक एवं प्रांतीय सह-प्रेस सचिव दीपक शांडिल्य तथा प्रांतीय संगठन सचिव सुभाष यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान बताया गया कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी प्रदेश की सभी शाखाओं के आगामी चुनाव होने तक पूर्ण रूप से वैध रहेगी।

सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान लोगों तक पहुंचाए

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नावदी में गिरते लिंग अनुपात पर नियंत्रण और बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से सोमवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में जागरूकता बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत के सहयोग से किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाना रहा। बैठक में ग्रामीणों, महिला समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों व जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, उचित देखभाल, जन्म पंजीकरण और समय पर टीकाकरण के बारे में भी जागरूक किया गया। कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को खत्म करने और बेटियों को समान अवसर देने में अपनी भागीदारी निभाएं।

मनीष बने अधिवक्ता परिषद फरीदाबाद विभाग प्रमुख

नारनौल। अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ एडवोकेट को संघठन ने महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा है। अब मनीष वशिष्ठ एडवोकेट जिला महेंद्रगढ़ के जिला अध्यक्ष के साथ साथ फरीदाबाद विभाग के विभाग प्रमुख भी होंगे। फरीदाबाद विभाग में फरीदाबाद जिला व पलवल जिला सम्मलित हैं। माधव सृष्टि भवन समालखा पट्टी कल्याणा में आयोजित प्रांतीय बैठक में इस आशय की घोषणा की गई। बैठक में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री रणवीर खरकाली, संघठन मंत्री श्रीहरि बोरिकर, मुकेश गर्ग, प्रान्त अध्यक्ष जगरूप सिंह, प्रान्त सचिव शीला तंवर व राष्ट्रीय परिषद सदस्य रविन्द्र बुधवार, चंद्रपाल सिंह चौहान, अशोक सिरसी व उदित गर्ग, हरियाणा के प्रत्येक जिले के अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह उत्तरदायित्व सौंपा।

झगड़ोली में 157 ग्रामीणों की टीबी स्क्रीनिंग, 23 सैंपल भेजे लैब

महेंद्रगढ़। "जब तक टीबी खत्म नहीं होगी, चैन से नहीं बैठेंगे", इसी जज़्बे के साथ शनिवार को गांव झगड़ोली की सुमित्रा आंगनबाड़ी में टीबी जांच के लिए विशेष कैंप लगा। सुबह 9 बजे शुरू हुए कैंप में एमओ डॉ. प्रतीक ने खुद मोर्चा संभाला। एसटीएस पवन यादव व टीबीएचवी युद्धवीर की जोड़ी ने एक-एक संदिग्ध मरीज का बलगम सैंपल लिये। स्वास्थ्यकर्मी विक्रम सिंह, देवेंद्र व सोनिया ने मरीजों का बीपी, वजन लेकर पूरी हिस्ट्री नोट की। आशा मंजू, सत्यवती, वर्षा व कोमल तीन दिन से गांव की गलियां छान रही थीं। उनके प्रयास से ही कैंप में 157 लोगों की स्क्रीनिंग हो पाई। इनमें से लगातार खांसी-बुखार वाले 23 लोगों को तुरंत सैंपल के लिए चिन्हित किया गया। गांव के बुजुर्ग रामकिशन बोले, "दो महीने से खांसी थी। दवाई खाई पर आराम नहीं मिला। आज यहां फ्री में जांच हो गई। डॉक्टर साहब ने कहा डरने की बात नहीं।" एसटीएस पवन यादव ने समझाया, "एक टीबी मरीज साल में 10-15 लोगों को बीमार कर सकता है।

महेंद्रगढ़। टीबी उन्मूलन कैंप में भाग लेते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

आयुष सेवाओं को मजबूत करने को प्रतिबद्ध: आरती राव

पटीकरा आयुर्वेदिक कॉलेज विस्तार पर 134.17 करोड़ खर्च

■ पानी की टंकी, फायर फाइटिंग सिस्टम, सड़क, पार्किंग, बाउंड्री वॉल बनाई जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से महेंद्रगढ़ जिले के पटीकरा स्थित बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के विस्तार और आधुनिक सुविधाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस कॉलेज परिसर में विभिन्न नए भवनों एवं आधारभूत सुविधाओं के निर्माण पर लगभग 134.17 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कॉलेज परिसर में लड़कों एवं लड़कियों के लिए आधुनिक छात्रावास, फार्मेसी ब्लॉक, लेक्चर हॉल, बहुउद्देश्यीय हॉल, कर्मचारियों के आवास तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पानी की टंकी, फायर फाइटिंग सिस्टम, सड़क, पार्किंग, बाउंड्री वॉल व भूमि विकास कार्य भी इस परियोजना में शामिल किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव।

बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा

गौरतलब है कि बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल वर्तमान में क्षेत्र के प्रमुख आयुष चिकित्सा संस्थानों में शामिल है। यहां ओपीडी, आईपीडी, पैथोलॉजी लैब, पंचकर्म, ऑपरेशन थिएटर तथा एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं। वर्ष 2022-23 से यहां बीएएमएस पाठ्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है, जिससे दक्षिण हरियाणा के विद्यार्थियों को आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा के लिए बेहतर अवसर मिल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष सेवाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पटीकरा स्थित यह आयुर्वेदिक कॉलेज भविष्य में दक्षिण हरियाणा के लिए आयुष शिक्षा और चिकित्सा का बड़ा केंद्र बनेगा। आधुनिक भवनों और सुविधाओं के निर्माण से यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों, चिकित्सकों तथा मरीजों को बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार स्वास्थ्य एवं शिक्षा ढांचे को लगातार मजबूत कर रही है और प्रदेश में आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लागू की जा रही हैं।